भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2461

जिसका उत्तर दिनांक 16.03.2022 को दिया जाना है

अंतर्राष्ट्रीय थर्मोन्यूक्लियर प्रायोगिक रिएक्टर

2461. श्री मनीश तिवारी :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले पांच वर्षों के दौरान अंतर्राष्ट्रीय थर्मोन्यूक्लियर प्रायोगिक रिएक्टर (आईटीईआर) परियोजना के लिए आवंटित की गई निधि का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि भारत 2017 से परियोजना के लिए 'इन कैश' योगदान से पीछे हट रहा है और चूक कर रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि भारत ने स्वीकृत 100 लोगों को तैनात करने के बजाय परियोजना के लिए केवल 25 स्टाफ सदस्यों को तैनात किया है और इस प्रकार महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त करने से वंचित रह गया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और परियोजना के लिए नीति नहीं बदलने का क्या कारण है और परियोजना के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग के कर्मचारियों के अलावा अन्य प्रतिष्ठित सार्वजनिक और निजी संस्थानों के इंजीनियरों को क्यों तैनात नहीं किया गया है; और

(ङ) क्या भारत अपने देश में ऐसी ही एक परियोजना के निर्माण पर विचार कर रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) वर्ष 2017 से (अर्थात पिछले पांच वर्षों के दौरान), आईटीईआर-भारत को कुल रूपए 2683.9 करोड़ का आवंटन किया गया है । वर्षवार मंजूरी का विवरण निम्नलिखित है :-

मंजूरी का वित्तीय वर्ष	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
आवंटित अनुदान (रुपए करोड़ में)	430.6	442.8	624.5	566.0	620.0

(ख) 'नकद' अंशदान हेतु किए गए भुगतान का विवरण निम्नलिखित है :

भुगतान का वित्तीय वर्ष	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
किया गया भुगतान (रूपये करोड़ में)	-	97.09	46.46	181.25	245.11

आईटीईआर 7 राष्ट्रों का एक संघ है और सभी राष्ट्र आईटीईआर संगठन द्वारा की गई मांगों और संबंधित सरकार के विचारों के आधार पर अंशदान देते हैं । प्रत्येक देश द्वारा किए गए भुगतान पर आईटीईआर परिषद बैठकों के दौरान चर्चा की जाती है ।

(ग) तथा (घ) आईटीईआर कार्य स्थल पर कार्यरत कार्मिकों में (i) आईटीईआर संगठन (आईओ) नियमित कार्मिक पद (ii) आईटीईआर परियोजना सहयोगी (आईपीए), और (iii) उद्योग/संस्थान से विशिष्ट संविदात्मक कार्यों पर कार्यरत कार्मिक शामिल है । यह स्मरण किया जा सकता है कि सभी आईटीईआर के नियमित पद 5 वर्षों तक चल रहे ठेकों के माध्यम से हैं । परमाणु ऊर्जा विभाग के विशेष प्रोत्साहन से, निजी क्षेत्र उद्योगों सहित भारतीय उद्योग अब आईटीआर में कार्मिक प्रतिनियुक्त कर रहे हैं । आज की स्थिति में, निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों से लगभग 150 भारतीय नागरिक आईटीईआर परियोजना सहयोगी के रूप में आईटीईआर में कार्य कर रहे हैं जो कुल 250 आईपीए का लगभग 60% है । इसके अतिरिक्त, लगभग 22 भारतीय नियमित कार्मिक के रूप में कार्यरत हैं और कुछ शेष श्रेणियों में कार्यरत हैं । कुल मिलाकर, लगभग 180 भारतीय आईटीईआर कार्यस्थल पर कार्यरत हैं । आईटीईआर कार्मिकों के संदर्भ में 'सस्वीकृत पद' की कोई संकल्पना नहीं है ।

(ङ) भारतीय संस्थान बड़े आकार के संलयन रिएक्टरों की डिजाइन जटिलताओं को समझने में लगे हुए हैं । आईटीईआर में संलयन प्लाज्मा प्राप्त करने का कार्य आरम्भ होने के बाद, आईटीईआर में प्राप्त अनुभव के आधार पर भविष्य में रिएक्टर स्थापित करने के लिए उपयुक्त निर्णय लिया जाएगा ।

*****